

भोले बाबा ने पकड़ा हाथ अकेला मत समझो लिरिक्स



भोले बाबा ने पकड़ा हाथ,
की रहता हर पल मेरे साथ,
अकेला मत समझो,
अकेला मत समझो IbdI

तर्ज - मेरे बाँके बिहारी लाल तू।

जबसे इसने अपनाया है,
जीने का ढंग सिखलाया है,
मन में रहता उत्साह,
नहीं अब सुख दुःख की परवाह,
अकेला मत समझो,
अकेला मत समझो IbdI

मैं जग में निर्भय घूम रहा,
इसकी मस्ती में झूम रहा,
इसने बदली तकदीर,
मिटाके हर मुश्किल गंभीर,
अकेला मत समझो,
अकेला मत समझो IbdI

मिलते हैं इसके दीवाने,
कुछ जाने और कुछ अंजाने,
उनसे मिलता जो प्यार,
क्या देगा कोई रिश्तेदार,
अकेला मत समझो,
अकेला मत समझो IbdI

ये प्यार बहुत ही करता है,
और भाव हृदय में भरता है,
'बिन्नू' का ये मनमीत,
झुमके गाऊँ इसके गीत,
अकेला मत समझो,
अकेला मत समझो IbdI

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>



भोले बाबा ने पकड़ा हाथ,
की रहता हर पल मेरे साथ,
अकेला मत समझो,
अकेला मत समझो।bd।

Singer – Upasana Mehta
